पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग उच्च अध्ययन केन्द्र के भवन का शिलान्यास किया

लखनऊः 26 मार्च, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज लखनऊ विश्वविद्यालय में तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग उच्च अध्ययन केन्द्र के पांच मंजिला भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर लखनऊ के महापौर, डा0 दिनेश शर्मा, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति, डा0. एम0सी0 निम्से, तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग के प्रतिनिधि, श्री मोनू भटनागर, प्रति-कुलपति, प्रो0 यू0एन0 द्विवेदी सहित अन्य महानुभाव भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने शिलान्यास समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि निर्माण कार्य निर्धारित धन और समय सीमा के अन्दर पूरा हो। समय के अन्दर निर्माण कार्य पूरा न होने से उसकी लागत बढ़ जाती है। 20 करोड़ की लागत से शोध केन्द्र के निर्माण के लिये ओ0एन0जी0सी0 द्वारा धन उपलब्ध कराया गया है। दान देने वाले कम मिलते हैं, दान का उपयोग करें। उच्च अध्ययन केन्द्र के निर्माण से छात्रों में शोध के नये-नये विकल्प खुलेंगे तथा विश्वविद्यालय का नाम बढ़ेगा। देश में 700 विश्वविद्यालय एवं 35000 महाविद्यालयों होने के बावजूद विश्व के 200 श्रेष्ठ शिक्षण संस्थान में हमारे देश का एक भी विश्वविद्यालय या संस्थान नहीं है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि उच्च अध्ययन केन्द्र के निर्माण से शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता बढ़ेगी और देश को लाभ होगा।

श्री नाईक ने ओ0एन0जी0सी0 द्वारा सामाजिक कार्य में अग्रणी भूमिका निभाने की सराहना करते हुए कहा कि जब वे पेट्रोलियम मंत्री थे तो ओ0एन0जी0सी0 के सहयोग से समुद्री क्षेत्र के गोराई एव मनोरी क्षेत्र में पीने योग्य पानी के नल पहुंचाने तथा अण्डमान के सेल्यूलर जेल एवं अमृतसर के जालियांवाला बाग में शहीदों की याद में अमर ज्योति का निर्माण कराया गया था। उनके समय में देश में 70 प्रतिशत कच्चा तेल आयात किया जाता था और अब 83 प्रतिशत कच्चा तेल आयात किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पेट्रोलियम मंत्री रहते हुए रूस में 9,500 करोड़ रूपये और सूडान में 3,500 करोड़ रूपये की पूंजी से तेल के कुएं खरीदे गये जिससे पूंजी भी वापस आ गई और देश को बहुत फायदा हुआ। उन्होंने कहा कि किसी अवसर का सही लाभ लेने के लिये उचित कार्य संस्कृति का बनाना बहुत आवश्यक है।

लखनऊ के महापौर, डा0 दिनेश शर्मा ने लखनऊ विश्वविद्यालय की प्राचीन और गौरवशाली परम्परा का उल्लेख करते हुए कहा कि अन्य महानुभावों के साथ-साथ इस विश्वविद्यालय से देश के पूर्व राष्ट्रपति, स्व0 शंकर दयाल शर्मा ने भी शिक्षा ली। लखनऊ विश्वविद्यालय की इमारत और शिक्षक दोनों ही अच्छे और प्रतिष्ठित हैं। इस विश्वविद्यालय का वास्तव में बड़ा ऐतिहासिक जुड़ाव है। उन्होनंे तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग की पहल को अनुकरणीय बताया।

ओ0एन0जी0सी0 के प्रतिनिधि, श्री मोनू भटनागर ने आयोग द्वारा अन्य परियोजनाओं एवं शैक्षिक गतिविधियों में सहयोग देने के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंनंे विश्वास जताया कि निर्माण कार्य समय से पूरा हो जायेगा और नये भवन से शोध को बढ़ावा मिलेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति, डा0 एम0सी0 निम्से ने उच्च अध्ययन केन्द्र के शिलान्यास कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय की भावी परियोजनाओं के बारे में बताया। प्रति-कुलपति, प्रो0 यू0एन0 द्विवेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग उच्च अध्ययन के
(ONGC Center For Advance Studies)
का
"भूमि पूजन एवं शिलान्यास"
माननीय श्री राम नाईक, राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुल
के कर कमलों द्वारा
डा० एस० बी० निमसे, कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय, की
एवं
प्रो दिनेश शर्मा, महापौर लखनऊ
की गरिमामयी उपस्थिति में
गुरूवार, दिनाँक 26.03.2015 को सम्पन्न हुआ

आयोग उच्च अध्ययन केन्द्र
or Advance Studies)

ओएनजीसी
ONGC
तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग उच्च अध्ययन के
(O.N.G.C Centre for Advance Studies
भूमि पूजन एवं शिलान्या
मार्च 26, 2015
राज्यपाल,

गैस आयोग उच्च
(O.N.G.C Centre for Advance
एवं